जूट प्रोडक्टस् आर्टिसन

योग्यता पैक: रेफ. आई.डी.: एच.सी.एस./क्यू7405

सेक्टर: हैंडीक्राफ्ट और कारपेट सेक्टर

कक्षा–11वीं एवं 12वीं

पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)

www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉब रोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र के बारे में

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। शिल्प का कुशल विकास रचनात्मक और धैर्य का काम है। इस क्षेत्र में उत्पादन का तरीका ज्यादातर पारंपरिक हैं, जो इसे कौशल प्रधान क्षेत्र साबित करता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले कारीगर देश भर के समूहों में स्थित हैं। हस्तशिल्प का बाजार में एक विशेष स्थान हैं, क्योंकि इसके उत्पाद सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में महत्वपूर्ण योगदान देते है। इसके अलावा, देश भर में लाखों कारीगर इसमें शामिल हैं, इसलिए हस्तशिल्प में अपार क्षमता दिखाई देती है। उनके कौशल, उद्योग में नए प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या का समर्थन करने के साधन भी प्रदान करते हैं।

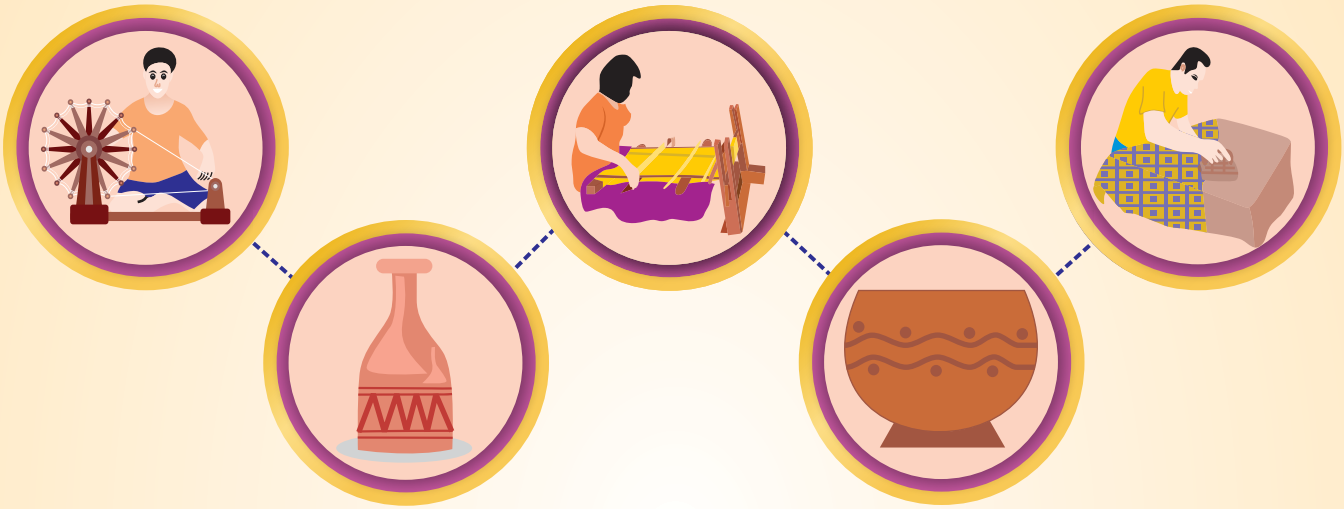

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र दो प्रभागों का प्रतिनिधित्व करता है:– हस्तशिल्प और कालीन

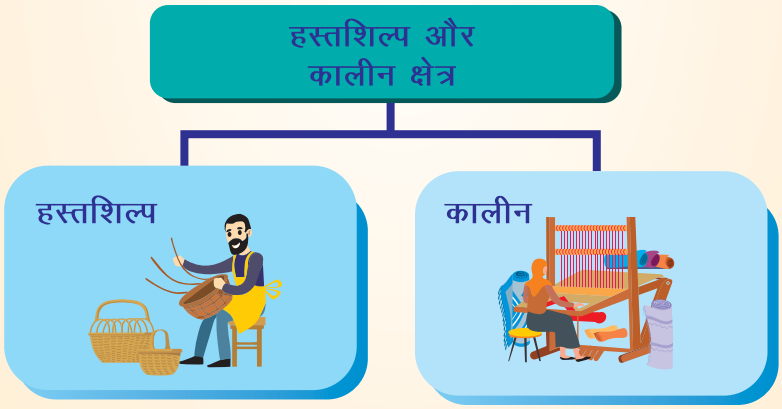

कारीगरों का निहित कौशल, तकनीक और पारंपरिक शिल्प कौशल, क्षेत्र के उत्पादन के लिए प्राथमिक मंच बनाने के प्रमुख संसाधन हैं। गुणवत्ता पर्यवेक्षण के तहत उत्पादन की योजना आम तौर पर चार चरणों में अपनाई जाती हैं:

कच्चे माल का अधिग्रहण

- सोर्सिंग
- कच्चे माल का वर्गीकरण, सफाई और निरीक्षण

उत्पाद डिजाइनिंग

- डिजाइन बनाना
- ग्राहक/बाजार अध्ययन
- शेड राईटिंग
- लूम सेट–अप

कलात्मक उत्पादन

- उत्पाद का निर्माण
- सिलाई/असेंबलिंग
- गन टफटिंग
- क्लीपिंग एंड ईम्बोसिंग

फिनिशिंग और पैकेजिंग

- उत्पाद परिष्करण
- पैकेजिंग और शिपिंग
- फाईल कारपेट इंस्पेक्शन

अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र का योगदान

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र को निर्यातोन्मुखी क्षेत्र के रूप में वर्णित किया गया हैं। क्रमशः लगभग 60% और 90% हस्तशिल्प उत्पाद और कालीन निर्यात किए गए हैं, जिससे वर्ष 2021–22 में लगभग रू. 33253.00 करोड़ का मूल्य अर्जित हुआ हैं। वर्तमान में, हस्तशिल्प क्षेत्र नौकरियों के सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ रहा हैं, जिसमें 7.3 मिलियन हेंडीक्राफ्ट कारीगर और लगभग 2 मिलियन कालीन बुनकर पहले से ही ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

व्यावसायिक दृष्टि से यह क्षेत्र आर्थिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। न्यूनतम उत्पादन पूँजी निवेश, मूल्यवर्धन का उच्च अनुपात और देश के लिए निर्यात और विदेशी मुद्रा आय की उच्च संभावना, एक बड़ी तस्वीर को विस्तृत करती है। पूरे देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में फेले होने के कारण, उद्योग अत्यधिक श्रम गहन और विकेन्द्रीकृत है। उत्पादन की लचीली प्रकृति किसानों और परिवार के अन्य सदस्यों सहित लोगों को जल्दी से जुड़ने की अनुमति देती हैं, और क्षेत्र में लंबवत और क्षैतिज गतिशीलता के अवसर भी प्रदान करती है। इसे कुशल कारीगरों की पीढ़ियों, परिवार से बंधे संगठनों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रचारित किया जाता हैं।

हस्तशिल्प और कालीन के घटक

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र को निम्नलिखित उप–क्षेत्रों में विभाजित किया गया हैं:

- कालीन
- चीनी मिट्टी की चीजें
- फैशन ज्वैरली
- काँच के बने पदार्थ
- हाथ से बना कपड़ा
- हाथ से बुने हुए कपड़े
- हस्तशिल्प उत्पाद
- हस्तशिल्प (अगरबत्ती)
- हस्तशिल्प (बांस)
- चमड़े का सामान
- मेटलवेयर
- कागज की लुगदी (पेपर मछे)
- पत्थर शिल्प
- वुडवेयर

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। इन वस्तुओं को पारंपरिक और समकालीन विषयों पर विकसित किया जाता हैं, जिनमें कार्यात्मक उपयोगिता हो भी सकती हैं और नहीं भी। हस्तशिल्प हस्त कौशल द्वारा विकसित उत्पाद हैं, जिसमें रचनात्मक कारीगरी होती हैं, और सांस्कृतिक विश्वासों, सामाजिक प्रतीकों और प्रथाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यह क्षेत्र अन्य व्यक्तिगत उपयोगों के बीच फैशन के सामान, घरेलू सामान और आभूषणों की बढ़ती माँग से चिन्हित सबसे बड़ा अंतिम उपयोग खंड हैं। हस्तशिल्प और कालीन के उप–क्षेत्र में कई प्रकार के जोब रोल सम्मिलित है।

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाएँ

कारपेट

- केड डिजाइनर फॉर कारपेट
- कारपेट फाईल इन्सपेक्शन
- कारपेट विवर
- किल्पिर एण्ड एम्ब्रासर
- डिजाइन एण्ड शेड रीटर
- डायर (रंगसाज)
- फीनिशर एण्ड लेटशींग मेन
- लूम सुपरवाइजर – नोटेड कारपेट
- नन्दा क्राफ्ट मेकर
- क्वालिटी सुपरवाइजर (कारपेट)
- शेड सुपरवाइजर
- टूफटेड विविंग सुपरवाइजर
- टूफटिंग गन मास्टर
- वाशर (कारपेट)

सिरैमिक्स

- अस्टिटेंट सिरैमिक्स एण्ड टेराकोटा टोय मेकर
- सिरैमिक्स एण्ड टेराकोटा टोय मेकर
- स्केचिंग एण्ड पेटिंग आर्टिसन (सिरैमिक्स)
- सिरैमिक्स प्रिपरेशन आर्टिसन
- फ्लोर सुपरवाइजर (सिरैमिक्स)
- लेब असिस्टेंट (सिरैमिक्स)
- मटेरियल प्रिपरेशन वर्कर
- मोडेलर (सिरैमिक्स)
- क्वालिटी चेकर टेक्नीशियन (सिरैमिक्स)

पेपर माचे

- पोलिशर (मेटालवेयर)
- लेकरर (पेपर माचे)
- पेन्ट लाईन ऑपरेटर (पेपर माचे)
- पेपर माचे आर्ट डिजाइनर
- पेपर माचे आर्ट प्रमोटर
- पेपर माचे क्राफ्ट स्पेशिलिस्ट
- पेपर माचे आर्ट प्रोडक्ट आर्टिसन
- स्कत साज खराडी

लेदरवेयर

- लेदर टोय मेकर – आर्टिसन

हैंडक्राफ्टेड टेक्सटाईल

- अप्लेक्यू आर्टिसन
- ब्लॉक प्रिन्ट सुपरवाइजर
- हैंड ब्लॉक प्रिन्टर
- जूट हैंडलूम ववर
- जूट प्रोडक्टस आर्टिसन
- जूट प्रोडक्टस स्टिचिंग ऑपरेटर
- जूट स्क्रीन प्रिन्टर
- जूट र्यान हैंड ड्रायर
- मासर हैंड एम्ब्रायडरर
- ट्रेडिशनल हैंड एम्ब्रायडरर

स्टोन क्राफ्ट

- सिसनिंग एण्ड केमिकल ट्रिटमेंट असिस्टेंट वुडवेयर
- एसेम्बिलि मशीन ऑपरेटर (वुडवेयर)
- डिजाइनर (वुडवेयर प्रोडक्ट)
- इंग्रेविंग/कारविंग/इचिंग असिस्टेंट
- फीनिशर (वुडवेयर)
- लेकक्यूरर (वुडवेयर)
- असिस्टेंट वुडवेयर टोय मेकर
- वुडेन टोय मेकर आर्टिसन

वुडवेयर

- सिसनिंग एण्ड केमिकल ट्रिटमेंट असिस्टेंट वुडवेयर
- एसेम्बिलि मशीन ऑपरेटर (वुडवेयर)
- डिजाइनर (वुडवेयर प्रोडक्ट)
- इंग्रेविंग/कारविंग/इचिंग असिस्टेंट
- फीनिशर (वुडवेयर)
- लेकक्यूरर (वुडवेयर)
- असिस्टेंट वुडवेयर टोय मेकर
- वुडेन टोय मेकर आर्टिसन

हैंडक्राफ्टेड बम्बू

- बम्बू र्वक आर्टिसन

हैंडीक्राफ्टस (अगरबत्ती)

- अगरबत्ती मेकर
- आटोमेटिक स्टिक मेकिंग एम/सी ऑपरेटर

ग्लासवेयर

- एब्रेरेशन एण्ड ग्रिडिंग मशीन ऑपरेटर
- डेकोरेटीव कटर
- डेकोरेटीव पेन्टर (ग्लासवेयर)
- ग्लास ब्लोविंग ऑपरेटर
- सिल्वर काटिंग टेक्निशियन
- ग्लास टोय मेकर – आर्टिसन

हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट

- नेचुरल फाईबर मेकर
- पूपेट मेकर – आर्टिसन
- ट्रेडिशनल पेन्टिंग मेकर – आर्टिसन
- अप–साईकिलिंग स्क्रेप्स एण्ड ई–वेस्ट आर्टिसन
- कोहलापूर चप्पल मेकर
- मर्चेंडाइसर

मेटलवेयर

- इंग्रेविंग एण्ड स्टेमपिंग आर्टिसन
- एसिड क्लीनर
- कास्टिंग ऑपरेटर (मेटल हैंडक्राफ्टस)
- कटिंग एण्ड थ्रिडिंग ऑपरेटर
- एम्ब्रोसिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
- इचिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
- इन्ले आर्टिसन (मेटलवेयर)
- पेन्टर (मेटल हैंडक्राफ्टस)
- प्लानिशिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
- पोलिशर (मेटलवेयर)

फैशन ज्वेलेरी

- प्रोडक्ट मेकर (फैशन ज्वेलेरी)
- स्टींगिंग/बिडिंग एसेम्बलर (फैशन ज्वेलेरी)
- क्वालिटी चेकर (फैशन ज्वेलेरी)

हैंड क्रोकेटेड

- क्रोकेटेड लेस–सुपरवाइजर
- क्रोकेटेड लेस टेलर
- हैंड क्रोकेटेड लेस मेकर

इस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण भूमिका जूट प्रोडक्टस् आर्टिसन हैं, जूट उत्पादों के कारीगर। जूट उत्पाद कारीगर की जिम्मेदारी हैं, कि बिक्री सलाह या बाजार की मांग के अनुसार निश्चित आकार में विविध जूट उत्पादों का उत्पादन करें। कारीगर को ग्राहक के विनिर्देशों के अनुसार उचित जूट उत्पाद बनाने का ज्ञान होना चाहिए।

नियम तथा जिम्मेदारियाँ

01 बाजार की मांग या खरीदार के विनिर्देशों के अनुसार जूट से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का उत्पादन करना

02 जूट उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखना तथा नियंत्रित करना, उत्पाद की विशिष्टताओं और आवश्यकताओं का पालन करते हुए डाई की स्थिरता और कपड़े की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना

03 टेक्निकल टेक्सटाइल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे पैकेजिंग टेक्सटाइल, एग्रो टेक्सटाइल और होम टेक्सटाइल में विविध जूट उत्पादों के अनुप्रयोगों को समझना

04 स्टैण्डर्डसाशन के साथ से रंग संयोजन, डिजाइन, आकार तथा अनुपात को ठीक से सुनिश्चित करना

05 विविध जूट उत्पादों के रचना के लिए आवश्यक सिलाई मशीन, माप उपकरण और अन्य महत्त्वपूर्ण उपकरणों को संभालना तथा संचालित करना

कक्षा–11वीं

यूनिट 01

जूट उद्योग की ओर उन्मुखीकरण

हस्तशिल्प उद्योग विकसित हो रहा हैं, और माँगे लगातार बढ़ रही हैं। इसलिए, माँग को समझने और उस पर काम करने के लिए, छात्रों को उद्योग और उसकी संरचना की जानकारी इस पाठ्यक्रम के द्वारा दी जाएगी। यह पाठ्यक्रम भारत के जूट उद्योग और उसमें अवसरों को भी विस्तृत करती हैं। उद्योग में सुसज्जित उपकरणों और संचालन के बारे में भी जानेंगें।

यूनिट 02

जूट प्रसंस्करण को समझना

इस इकाई का उद्देश्य छात्रों को जूट के रेशों, धागों और कपड़े के प्रकारों की पहचान करने और उत्पाद की आवश्यकताओं का विश्लेषण करने में सक्षम बनाती हैं। जूट की खेती, चयन, फाइबर, यार्न और कपड़ा विकास तकनीकों और उनके आवेदन में शामिल उत्पादन प्रक्रिया से भी अवगत कराया जाएगा।

यूनिट 03

जूट प्रोडक्ट्स आर्टिसन् का परिचय

यह इकाई छात्रों को अपने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक धरातल पर लागू करने के लिए प्रेरित करती हैं। छात्र जूट उत्पादन की मूल बातें सीखेंगें, जिसमें स्पेक शीट और माँग के अनुसार कच्चे माल का चयन और प्रक्रिया शामिल हैं। तदानुसार, अनुपात, आकार, रंग संयोजन और परिष्करण सुनिश्चित करते हुए छात्र जूट प्रोडक्टस् आर्टिसन के कार्य नियोजन को समझेंगें।

यूनिट 04

कार्य क्षेत्र और उपकरणों का रख–रखाव

हस्तशिल्प सेक्टर में अधिकांश कार्य हाथ से ही किए जाते हैं, जिसमें उत्पादन की स्थापना भी शामिल हैं। यह यूनिट छात्र को उचित रूप से विभिन्न भागों, उसके संचालन, तकनीकों और भंडारण विधियों के बारे में परिचय प्रदान करती हैं। यह गुणवत्ता उत्पादन, ऑपरेटर की सुरक्षा और कार्य को समय पर पूरा करने में योगदान देता हैं। इसलिए, उपकरणों का उपयोग करते समय, छात्र इसके संचालन, अपशिष्ट प्रबंधन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे एवं वर्कफ्लो मानकों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगें।

यूनिट 05

कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और बचाव बनाए रखें

इस यूनिट में, छात्र स्वास्थ्य, सुरक्षा और उनके महत्त्व एवं उत्पादन पर प्रभाव के बारे में जानेंगे। संभावित खतरों और आपातकालीन कार्रवाई करने के तरीकों को समझेंगें। यह यूनिट उन्हें कार्यबल के भीतरी पर्यावरण प्रबंधन प्रक्रियाओं और सुरक्षा विवरणों के बारे में समझाने में सक्षम करेंगी।

कक्षा–12वीं

यूनिटः 1 भारतीय जूट हस्तशिल्प क्षेत्र

जूट उद्योग अपने आप में एक व्यापक और जटिल उद्योग हैं, जो विकसित उत्पादों की विविधता और विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं के बाजार में शामिल हैं। यह यूनिट जूट उद्योग के उत्पाद रेंज, बाजार और उपभोक्ताओं पर चर्चा करती हैं। यह सामग्री की उपयुक्तता के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएगा और विभिन्न विशिष्ट शीट्स और आवश्यकताओं पर इसके प्रभाव आगे उन्हें जूट उद्योग के दायरे के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की अनुमति देगा।

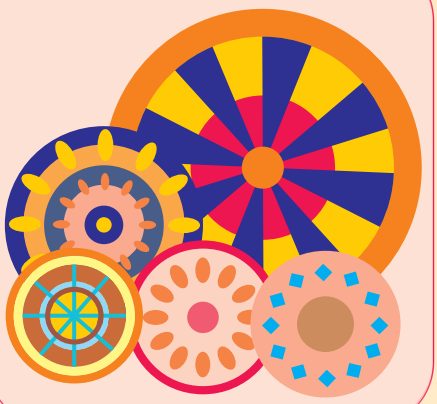

यूनिटः 2 जूट उत्पाद डिजाइनिंग, विकास और गुणवत्ता मुल्यांकन

यह इकाई जूट उत्पादों के सौंदर्यात्मक अपील और प्रभावी उपयोगिता को विस्तृत करती हैं। छात्रों को जूट उत्पाद की डिजाइनिंग, योजना और फिनिशिंग प्रदर्शित करने के लिए भी प्रोत्साहित करती हैं। इस इकाई में हस्तशिल्प क्षेत्र में गुणवत्ता जाँच को भी विस्तृत किया गया हैं। जो छात्रों को किसी उत्पाद के परिष्करण मानकों की पहचान करने में सक्षम बनाती हैं। इसके अलावा, इकाई विशिष्ट (स्पेक) शीट् या खरीदार की आवश्यकताओं के अनुसार कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद के सभी स्तरों पर निरीक्षण करने के तरीकों के बारे में चर्चा करती हैं।

यूनिटः 3 जूट प्रोडक्टस् का उत्पादन

यह इकाई छात्रों को जूट के रेशों, धागों और कपड़ो को विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके जूट उत्पादों को विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं। छात्र एक उत्पाद डिजाइन करेंगें, उपयुक्त कच्चे माल का चुनाव करके विशिष्ट (स्पेक) शीट् के अनुसार उत्पाद का विकास करेंगें। वाँछित गुणवत्ता के अनुसार अंतिम उत्पाद प्राप्त करना अति आवश्यक हैं, इसलिए इसका निरीक्षण और रिपोर्टिंग भी इस इकाई में शामिल हैं।

यूनिटः 4 हस्तशिल्प क्षेत्र में एक टीम में काम करना

सभी व्यवसायों में श्रमिकों के लिए उच्चतम स्तर की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक भलाई प्रदान करने और बनाए रखने वाले कार्य वातावरण का निर्माण करने का लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए, यूनिट छात्रों को एक टीम में नौकरी संभालने के दौरान प्रतिबद्धता और विश्वास के महत्त्व को समझने की अनुमति देती हैं। यह यूनिट एक टीम के साथ संचार विकसित करने और स्व–भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए रचनात्मक समझ हासिल करने में मदद करती हैं।

यूनिटः 5 हस्तशिल्प क्षेत्र में कार्यस्थल की आवश्यकताओं का अनुपालन

भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र की वृद्धि और विश्वव्यापी मान्यताओं को काफी घरेलू और वैश्विक माँग के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता हैं। इसलिए, भारतीय हस्तशिल्प इकाइयों के बीच जागरूकता और आचार संहिता नीतियों के अनुपालन के परिणाम का महत्त्व छात्रों को विस्तार से बताया गया हैं। प्रंबधन के लिए एक नैतिक और मूल्य–आधारित दृष्टिकोण के लाभ, कंपनी की नीतियों का पालन, और कार्य दिनचर्या के प्रबंधन को बेहतर प्रदर्शन के लिए छात्रों में शामिल किया गया हैं।

रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम की उपलब्धि निम्नलिखित अवसरों को प्रस्तुत करती हैं:

स्व–रोजगार

- स्वयं की जूट उत्पादन इकाई/उद्योग स्थापित करना
- जूट उत्पाद कारीगर के रूप में फ्रीलांसर

वैतनिक रोजगार

- निर्यात/घरेलू हस्तशिल्प उद्योग/इकाई में सहायक जूट उत्पाद कारीगर
- निर्यात/घरेलू हस्तशिल्प उद्योग/इकाई में सेम्पल जूट उत्पाद कारीगर
- फर्निशिंग/इंटीरियर/डिजाइन हाउस में जूट उत्पाद कारीगर

विकास

कोर्स पूरा करने के बाद जूट प्रोडक्टस् आर्टिसन के लिए विकास के अवसर उच्च तथा मानक दोनों ही हो सकते हैं। अवसर भी बहुआयामी रूप से नए मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

मानक कार्य भूमिकाएं

01 जूट उत्पाद कारीगर

02 सेम्पल (Sample) जूट उत्पाद कारीगर

03 जूट उत्पाद कारीगर गुणवत्ता और नियत्रंण

उच्च कार्य भूमिकाएं

01 जूट उत्पाद सुपरवाइजर

02 जूट उत्पाद विभाग प्रमुख एक्सपोर्ट/ डिजाइन हाउस

03 एक्सपोर्ट/ डिजाइन हाउस निदेशक

04 जूट उत्पाद गुणवत्ता परीक्षक! निरीक्षक

नौकरी के प्रशिक्षण

बौद्धिक विकास के लिए प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों का उपयोग किया जा सकता हैं। ऐसे पाठ्यक्रम निम्नलिखित स्थानों पर उपलब्ध हैं:

01 नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन (NGO)

02 सरकारी और निजी कौशल प्रशिक्षण केन्द्र

03 हेंडीक्राफ्ट सेक्टर के शासकीय एवं अशासकीय उद्योगों में उत्पाद/डिजाइन विकास विभाग

PSSCIVE के बारे में

पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in